गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.PRO/14

26th July 2023

Dear Sir/Madam,

Greetings from Central University of Gujarat

A press release is followed by herewith.
Thanks,
With regards,
Sunil Kumar Sharma
Public Relations Officer
Central University of Gujarat
Gandhinagar, Sector-29, Gujarat.

Press Note

The National Education Policy is paving the way for quality education and holistic development: Prof. Rama Shanker Dubey

- The National Education Policy is being implemented in its entirety at CUG

- On the completion of three years of the National Education Policy, a press conference was organized at Central University of Gujarat.

Gandhinagar. The National Education Policy is working towards utilizing the country's rich talent and resources in higher education institutions to contribute to the development of individuals, society, and the nation. India has the world's largest young population, and providing quality educational opportunities to its youth is essential for realizing the vision of a self-reliant India. The National Education Policy 2020 has provided a strong foundation for transforming this vision into reality. It aims to ensure inclusive and quality education and promote lifelong learning opportunities, thus empowering individuals with the necessary skills. Central university of Gujarat has successfully implemented many key aspects of NEP 2020. On the completion of three years of the National Education

सुनील कुमार शर्मा

जनसंपर्क अधिकारी

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

Policy, a press conference was organised at Central university of Gujarat on Wednesday. Prof. Rama Shanker Dubey, the Vice-Chancellor of the university, stated that comprehensive education is the key to the holistic development of individuals. He informed that in the past three years, the university has implemented many key points of the National Education Policy, which include the following:

Inclusion of Comprehensive Education: It is essential for students to receive not only academic knowledge but also an enhancement in their physical, mental, emotional, moral, and social knowledge for comprehensive education. Central University of Gujarat has introduced a two-credit course for undergraduate and postgraduate students in each semester. With this initiative, students are not only gaining knowledge of their curriculum but also receiving comprehensive education.

16 Multidisciplinary Two-Credit Programs: The Central university of Gujarat has also introduced multidisciplinary programs as part of minor electives. These programs offer 16 different subject options in short elective courses. Each program carries a weightage of 2 credits. The Vice-Chancellor mentioned that students are opting for these multidisciplinary programs based on their interests.

Learning Management System (LMS): Besides classroom-based learning, the university has implemented its own Learning Management System (LMS) to promote online learning. Under credit transfer, students have already registered on the 'Swayam' portal. Prof. Dubey mentioned that students are choosing online courses and studying subjects of their preference.

Facility of DigiLocker: Students have been provided with a digital account in the cloud to securely store their academic mark sheets and other valid documents or certificates. All students of the university have opened their accounts and are using it to upload their documents, with storage capacity up to one GB for each account.

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

Multidisciplinary Certificate and Diploma Courses: The University has started multidisciplinary certificate and diploma courses that complement the format of degree courses. Many students are opting for these courses along with their degree studies.

Research and Development Cell: To promote research and innovation in higher education, the university has established a Research and Development Cell. This cell provides valuable information and research-oriented resources to scholars and students, enabling them to address socially relevant research dimensions and find solutions to problems during their higher studies.

Teaching and learning in Regional Languages: According to the policy, support for Indian languages is essential, and their development in the field of education needs to be encouraged. This aims to promote the preservation and usage of languages. Central university of Gujarat has started teaching and learning in regional languages.

Post-Graduation in Hindu Studies: In the year 2022, the university has also started a post graduation degree course in Hindu Studies.

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

प्रेस नोट

सीयूजी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को संपूर्णता से लागू किया जा रहा है -

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूर्ण होने पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस - का आयोजन

गांधीनगर। उच्च शिक्षण संस्थानों में देश की समृद्ध प्रतिभा एवं संसाधनों का उपयोग कर व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है। देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध करवाने से ही आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। इस कल्पना को मूर्त रूप देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने एक मजबूत 2020 पर्यंत शिक्षा के -आधार प्रस्तुत किया है। समावेशी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने कुशल मार्ग प्रशस्त करने का काम किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तीन वर्ष पूरे हो गए है, ऐसे में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एनईपी के कई मुख्य बिंदुओं को लागू करने में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोरमा शंकर दूबे ने . बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि समग्र शिक्षा से ही व्यक्ति के पूर्ण विकास की कल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकता है। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति वरदान साबित हो रही है। 2020 विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई बिंदुओं को लागू किया जा चुका है, इसमें निम्न बिंदु शामिल है।

समग्र शिक्षा का समावेश: विद्यार्थी को शिक्षा संस्थानों में महज अकादमिक ज्ञान ही नहीं अपितु उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए समग्र शिक्षा का ज्ञान मिलना परम आवश्यक है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर दो क्रेडिट का कोर्स हर सेमेस्टर के लिए लागू कर दिया है। इसके सहायता से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ही नहीं अपितु समग्र शिक्षा का सम्पूर्ण ज्ञान भी मिल रहा है।

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

दो क्रेडिट के बहु विषयक प्रोग्राम 16: विश्वविद्यालय द्वारा बहु विषयक प्रोग्राम भी शुरू किये गए है। इसमें छोटे वैकल्पिक कोर्सेज में बहु विषयक कार्यक्रम शुरु हुए है। कुलपति महोदय ने बताया कि 16 क्रेडिट का भार दिया गया है। विश्वविद्यालय के छात्र इन बहुविषयक कार्यक्रमों में 2 प्रत्येक कार्यक्रम को अपनी रुचि के अनुरूप प्रवेश ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय का लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम : कक्षाकक्ष के अध्ययन के साथ ही अब ऑनलाईन - शुरु हो (एलएमएस) लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में खुद का लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम चुका है। इसके साथ ही क्रेडिट स्थानांतरण के तहत छात्र 'स्वयं' पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा चुके है। कुलपति महोदय ने बताया कि ऑनलाइन कोर्सेज का चयन कर पसंद के विषयों की पढ़ाई भी छात्र कर रहे हैं।

डिजीलॉकर की सुविधा : छात्रों को शैक्षणिक मार्कशीट और दूसरे प्रामाणिक दस्तावेजों या प्रमाण पत्रों का उपयोग करने के लिए क्लाउड में खाता बनाकर उन्हें सुरक्षित रखने का डिजिटल अकाउंट दिया गया था। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने अपना खाता उस पर खोल लिया है। प्रत्येक खाते में प्रतियां अपलोड करने के लिए एक जीबी तक का भंडारण प्रदान किया जाता है।

बहु विषयक सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्सेज : डिग्री कोर्सेज के प्रारूप के अनुरूप ही विश्वविद्यालय में बहु विषयक सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज भी शुरू किए जा चुके है। विद्यार्थी सहर्ष इनका चयन कर डिग्री कोर्स के साथ अध्ययन कर रहे हैं।

रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेल : उच्च शिक्षा में शोध और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की जा चुकी है । सामाजिक दृष्टिकोण से प्रासंगिक शोध को नए आयाम देने में प्रकोष्ठ द्वारा शोधार्थियों और छात्रों को शोधपरक बहुमूल्य जानकारियां उपलब्ध करवाई जाती है। छात्रों को उच्चतर अध्ययन में शोधपरक समस्याओं का भी समाधान भी प्रकोष्ठ द्वारा निकाला जाता है।

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030,फोन नं.- 07923977407,फेक्स-07923260076
Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076
Email: pro@cug.ac.in.in,website: www.cug.ac.in

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

क्षेत्रीय भाषाओं में अध्ययनअध्यापन-: अधिगम के स्तर को आसान बनाने के साथ ही कम समय में अधिक गुणवत्तापूर्ण जानकारी से समृद्धता प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय और आंचलिक भाषाओं में अध्ययन और अध्यापन की परंपरा विकसित की जा चुकी है। अब दूसरे भाषाओं में अध्ययनरत छात्र भी अन्य भाषाओं को सीख कर अपने ज्ञान और कौशल में बढ़ोतरी कर रहे हैं।

हिन्दू अध्ययन में स्नातकोत्तर : समग्र शिक्षा को मूर्त रूप देने के लिए साल में विश्वविद्यालय 2022 द्वारा हिन्दू अध्ययन केंद्र द्वारा स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स भी शुरू किया जा चुका है।

પ્રેસ નોટ

રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ અને સર્વાંગી વિકાસનો માર્ગ મોકળો કરી રહી છેઃ પ્રો. રમાશંકર દુબે

-CUGમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિનો સંપૂર્ણ અમલ કરવામાં આવી રહ્યો છે

નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીના ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થવા પર સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે પત્રકાર પરિષદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું

ગાંધીનગર. ઉચ્ચ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં દેશની સમૃધ્ધ પ્રતિભા અને સંસાધનોનો ઉપયોગ કરીને વ્યક્તિ, સમાજ અને રાષ્ટ્રના વિકાસ માટે કાર્ય કરવામાં આવે છે. ભારત વિશ્વમાં સૌથી યુવા વસ્તી ધરાવતો દેશ છે. દેશના યુવાનોને ગુણવત્તાયુક્ત શૈક્ષણિક તકો પૂરી પાડીને જ આત્મનિર્ભર ભારતની કલ્પના સાકાર થઈ શકે છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 એ આ વિઝનને સાકાર કરવા માટે મજબૂત પાયો નાખ્યો છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિએ સર્વસમાવેશક અને ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણને સુનિશ્ચિત કરવા અને જીવનભર શીખવાની તકોને પ્રોત્સાહન આપવા માટે કાર્યક્ષમ માર્ગ મોકળો કરવા માટે કામ કર્યું છે. નેશનલ એજ્યુકેશન પોલિસીને ત્રણ વર્ષ પૂર્ણ થયા હોવાથી, ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ NEPના ઘણા મુખ્ય મુદ્દાઓને અમલમાં

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

લાવવામાં સફળતા હાંસલ કરી છે. યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબેએ બુધવારે એક પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યું હતું કે વ્યક્તિના સંપૂર્ણ વિકાસની કલ્પનાને સર્વગ્રાહી શિક્ષણ દ્વારા જ સાકાર કરી શકાય છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 સમગ્ર વ્યક્તિત્વ વિકાસ માટે વરદાન સાબિત થઈ રહી છે. છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિના ઘણા મુદ્દાઓ યુનિવર્સિટીમાં લાગુ કરવામાં આવ્યા છે, જેમાં નીચેના મુદ્દાઓનો સમાવેશ થાય છે.

સર્વગ્રાહી શિક્ષણનો સમાવેશ: વિદ્યાર્થીને શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં સર્વગ્રાહી શિક્ષણનું જ્ઞાન માત્ર શૈક્ષણિક જ્ઞાન માટે જ નહીં પરંતુ તેમના શારીરિક, માનસિક, ભાવનાત્મક, નૈતિક અને સામાજિક જ્ઞાનમાં વધારો કરવા માટે અત્યંત જરૂરી છે. ગુજરાતની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ સ્નાતક અને અનુસ્નાતક સ્તરે દરેક સેમેસ્ટર માટે બે ક્રેડિટ કોર્સ લાગુ કર્યા છે. આની મદદથી વિદ્યાર્થીઓને માત્ર અભ્યાસક્રમનું જ નહીં પરંતુ સમગ્ર શિક્ષણનું પણ સંપૂર્ણ જ્ઞાન મળી રહ્યું છે.

બે ક્રેડિટના 16 મલ્ટિડિસિપ્લિનરી અભ્યાસક્રમ : યુનિવર્સિટી દ્વારા મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં નાના વૈકલ્પિક અભ્યાસક્રમોમાં 16 મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વાઇસ ચાન્સેલરે માહિતી આપી હતી કે દરેક કાર્યક્રમને 2 ક્રેડિટનું વેઇટેજ આપવામાં આવ્યું છે. યુનિવર્સિટીના વિદ્યાર્થીઓ તેમની રુચિ મુજબ આ મલ્ટિડિસિપ્લિનરી પ્રોગ્રામ્સમાં પ્રવેશ લઈ રહ્યા છે.

યુનિવર્સિટીની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ: ક્લાસ-રૂમ અભ્યાસની સાથે ઑનલાઇન શિક્ષણને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીએ તેની પોતાની લર્નિંગ મેનેજમેન્ટ સિસ્ટમ (LMS) શરૂ કરી છે. આ સાથે વિદ્યાર્થીઓએ ક્રેડિટ ટ્રાન્સફર હેઠળ સ્વયમ્ પોર્ટલ પર પોતાનું રજીસ્ટ્રેશન કરાવ્યું છે. કુલપતિ શ્રી એ જણાવ્યું કે, ઓનલાઇન કોર્સ પસંદ કરીને વિદ્યાર્થીઓ પણ પોતાની પસંદગીના વિષયોનો અભ્યાસ કરી રહ્યા છે.

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

DigiLocker સુવિધા: વિદ્યાર્થીઓને ક્લાઉડમાં એકાઉન્ટ બનાવીને અને તેમને સુરક્ષિત રાખીને શૈક્ષણિક માર્કશીટ અને અન્ય અધિકૃત દસ્તાવેજો અથવા પ્રમાણપત્રો એક્સેસ કરવા માટે ડિજિટલ એકાઉન્ટ આપવામાં આવ્યું હતું. તેના પર યુનિવર્સિટીના તમામ વિદ્યાર્થીઓએ પોતાનું ખાતું ખોલાવ્યું છે. દરેક એકાઉન્ટ નકલો અપલોડ કરવા માટે એક GB સુધીનો સ્ટોરેજ પ્રદાન કરે છે.

મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સઃ ડિગ્રી કોર્સના ફોર્મેટ મુજબ યુનિવર્સિટીમાં મલ્ટિડિસિપ્લિનરી સર્ટિફિકેટ અને ડિપ્લોમા કોર્સ પણ શરૂ કરવામાં આવ્યા છે. વિદ્યાર્થીઓ ખુશીથી તેમની પસંદગી કરી રહ્યા છે અને ડિગ્રી કોર્સ સાથે અભ્યાસ કરી રહ્યા છે.

સંશોધન અને વિકાસ સેલ: ઉચ્ચ શિક્ષણમાં સંશોધન અને નવીનતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે, યુનિવર્સિટીમાં સંશોધન અને વિકાસ સેલની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. સામાજિક દૃષ્ટિકોણથી સંબંધિત સંશોધનને નવા પરિમાણો આપવા માટે, કોષ સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓને મૂલ્યવાન સંશોધન માહિતી પ્રદાન કરે છે. ઉચ્ચ અભ્યાસમાં વિદ્યાર્થીઓની સંશોધન સમસ્યાઓ પણ સેલ દ્વારા ઉકેલવામાં આવે છે.

પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અધ્યયન-અધ્યાપન: અધ્યયનના સ્તરને સરળ બનાવવા તેમજ ઓછા સમયમાં વધુ ગુણવત્તાયુક્ત માહિતીથી સમૃધ્ધ થવા માટે પ્રાદેશિક ભાષાઓમાં અભ્યાસ અને અધ્યાપનની પરંપરા વિકસાવવામાં આવી છે. હવે અન્ય ભાષાઓમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓ પણ અન્ય ભાષાઓ શીખીને તેમના જ્ઞાન અને કૌશલ્યમાં વધારો કરી રહ્યા છે.

હિંદુ અભ્યાસમાં અનુસ્નાતક: સર્વગ્રાહી શિક્ષણને નક્કર આકાર આપવા માટે, વર્ષ 2022માં, યુનિવર્સિટીએ સેન્ટર ફોર હિંદુ સ્ટડીઝ દ્વારા અનુસ્નાતક ડિગ્રી અભ્યાસક્રમ પણ શરૂ કર્યો છ

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

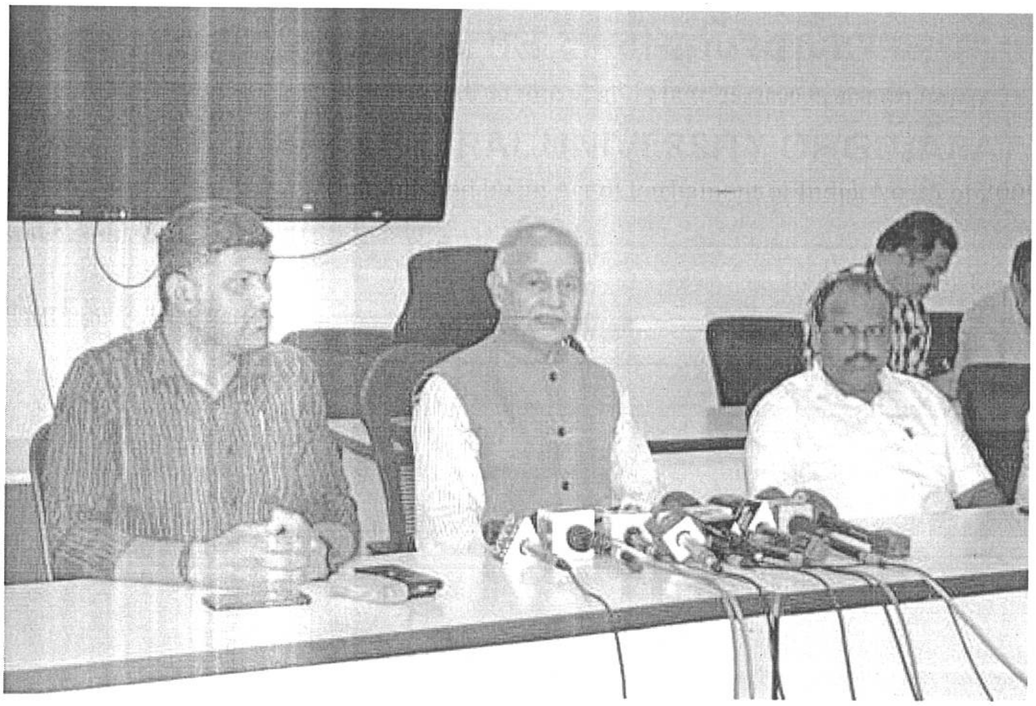

प्रेस वार्ता को संबोधित करते आदरणीय कुलपति महोदय प्रो. रमा शंकर दूबे सर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030,फोन नं.- 07923977407,फैक्स-07923260076
Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076
Email: pro@cug.ac.in.in,website: www.cug.ac.in

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

By Speed Post/By Email/By Hand

प्रेस वार्ता के संबोधन के दौरान आदरणीय कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे सर

With regards,

Yours truly,

Sunil sharma

SUNIL KUMAR SHARMA
PRO
Central University of Gujarat,
Sector-29, Gandhinagar,
Gujarat, India-382030
+918963840032
Web www.cug.ac.in
Don't print unless it's necessary.... Let's save environment.